સરકારી વિનયન,વિજ્ઞાન અને વાણિજ્ય કોલેજો ખાતે સંસ્કૃતના મદદનીશ પ્રાધ્યાપક,વર્ગ-૨ નો અભ્યાસક્રમ જા.ક્ર.૧૩૯/૨૦૧૦-૧૧

પ્રશ્નપત્ર-૧ વિષય :	માધ્યમ	પ્રશ્નોની સંખ્યા	પ્રશ્નોના ક્રમ	પ્રશ્નદીઠ ગુણભાર	પ્રશ્નપત્ર ના કુલ ગુણ
સામાન્ય જ્ઞાન, ઈતિહાસ,ભૂગોળ, ગણિતશાસ્ત્ર,વિજ્ઞાન,રાજનીતિ અને રોજબરોજના બનાવો ઉપરાંત ભારતનું બંધારણ	ગુજરાતી	૧૦૦	૧ થી ૧૦૦	એક ગુણ	૧૦૦

પ્રશ્નપત્ર-૨ વિષય:	સંસ્કૃત	૧૦૦	૧ થી ૧૦૦	બે ગુણ	૨૦૦
સાથેના અભ્યાસક્રમ મુજબ **********					

1691८

विषय: संस्कृत

1. वैदिक साहित्य

I: संहिता : ऋग्वेदः निम्नलिखित सूक्तोंका अध्ययनः अग्नि (1.1), इन्द्र (2, 12), मण्डल-3 (1 to 25) मण्डल-7 (1 to 40), मण्डल-10 पुरुष (10, 90), हिरण्यगर्भ (10, 121) नासदीय (10, 191) अक्षसूक्त (10-34) व्याकरण एवं वैदिक व्याख्या पध्धतिः पदपाठ, वैदिक स्वर, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर, वैदिक व्याख्या पध्धति-प्राचीन एवं आर्वाचीन

II. उपनिषदः निम्न लिखित उपनिषदों के सन्दर्भ में विषय-वस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययनः इश, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय

III. वेदाङ्गः वेदाङ्गों का सामान्य और संक्षिप्त परिचय : निरुक्तः अध्याय । और -2, चार पद-नाम, आरव्यात उपसर्ग और निपात, क्रिया के छःरुप (षडभावविकार) निरुक्त के अध्ययन का उद्देश, निर्वचन के सिध्धांत, निन्म लिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँः आचार्य, वीर, हृद, गो, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर निघण्टु

2. दर्शनः सांख्य, न्याय, वैशेषिक, वैदान्त, मीमांसा, बौद्ध, जैन

IV इश्वरकृष्ण की सांख्य कारिकाः सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप प्रकृतिस्वरुप, सृष्टिक्रम, कैवल्य, सदानंद का वेदान्तसारः अनुबन्ध चतुष्ठय, अज्ञान, अध्यारोप, अपवाद, लिङ्गशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त जीवन्मुक्ति

केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह पदार्थ, कारण, प्रमाणः प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, ब्रह्मसूत्रशांड्करभाष्य : (1.1)

बौद्ध और जैनदर्शन के मुख्य सिध्धान्त

3. व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

4. सिध्धांत कौमुदी : संज्ञा और कारक प्रकरण परिभाषाएंः संहिता, गुण, वृध्दि, प्रातिपदिकः नदी, धि अपृक्त, गति, उपधा, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनाम-स्थान, निष्ठा

समास : लघुसिध्धांतकौमुदी के अनुसार सन्धि, छन्दः अनुष्टुप, वसंततिलका, मन्दाक्रान्ता, शिखरीणि, शार्दूलविक्रीडित,स्त्रग्धरा, अपठित

भाषा विज्ञानः भाषा की परिभाषा एवं प्रकार, भाषाओं का वर्गीकरण, स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर, संस्कृतध्वनियों के विशेष संदर्भ में मानवीय ध्वनियंत्र, ध्वनियपरिवर्तन के कारण अर्थपरिवर्तनकी दिशाएं तथा कारण, वाक्य का लक्षण तथा भेद, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

4. रामायण, महाभारत एवं पुराण

VI: रामायणः सुन्दरकाण्ड

महाभारत : आदिपर्व और विराटपर्व

दोनो काव्यो में आरव्यान, सामाजिक स्थिति, परवर्ती ग्रन्थों पर प्रभाव, साहित्यक महत्व आदि का अध्ययन

पुराणः भागवद्पुराण : दशम्स्कन्ध

अग्निपुराण : अध्याय 1 to 25

वायु पुराण : नियत अंश

5. धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र

VII: धर्मशास्त्रः मनुस्मृति : (प्रथम, द्वितीय, तथा सप्तम अध्याय) याज्ञवक्यस्मृति (व्यवहाराध्याय मात्र) कौटिलीय अर्थशास्त्र : (प्रथम दस अधिकार)

6. प्रशिष्ट साहित्य एवं काव्यशास्त्र :

VIII: गद्य, पद्य एवं नाटक

गद्यः दशकुमारचरित : (अष्टमः उच्छवास)

हर्ष चरितः (प्रथम और द्वितीय अच्छवास)

कादम्बरीः (महाश्वेतावृतान्त)

पद्य: रघुवंश : (प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग)

शिशुपालवध: (प्रथम सर्ग)

नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग)

नाटक: कर्णभार, अभिज्ञानशाकुन्तल, रत्नावली उत्तररामचरित, मुद्राराक्षस, वेणीसंहार

IX: काव्यशास्त्र:

- काव्यप्रकाश: काव्यलक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्यप्रकार, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, शब्दशक्ति, रसस्वरूप, काव्य के गुण और दोष अलङ्कार : अनुप्रास श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, उपहनुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति, संकर, संसृष्टि
- साहित्यदर्पण: काव्यलक्षण, काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन, शब्दशक्ति, रसस्वरूप, रूपकप्रकार, नाटकलक्षण, महाकाव्य के लक्षण
- ध्वन्यालोक: ध्वनिलक्षण, प्रतियमान अर्थ, ध्वनिविरोधका खण्डन, ध्वनि के भेद, गुण दोष और संघटना विचार महाभारत का रसविमर्श

X नाट्यशास्त्र:

- भरतका नाट्यशास्त्र: (अध्याय 1, 2 एवं 6) / नाट्योत्पपत्ति, नाट्यगृह के भेद, रस और भाव
- धनंजय का दशरूपक: (प्रकाश 1 और 3)

नृत्त, नृत्य, नाट्य, रूपक के प्रकार